ISSN : 3048-6203 Volume - 2| Issue - 1 | Jan - Jun, 2025

शोध भूमि
शिक्षा एवं शिक्षण शास्त्र विषय की पूर्व-समीक्षित शोध पत्रिका
Page No. : 515-519

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरूचि का अध्ययन

सोनू शेखावत
शोधार्थी, शिक्षा विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूँ, नागौर, राजस्थान
ईमेलः sonushekhawat262@gmail.com

प्रो. बी.एल. जैन
शोध निर्देशक–सह–विभागाध्यक्ष
शिक्षा विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) लाडनूँ, नागौर, राजस्थान

सारांश

यह अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया गया। शोध में 200 प्रशिक्षु शिक्षकों (लिंग एवं क्षेत्रीय आधार पर) को चुना गया। आंकड़े संग्रह हेतु शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया तथा t-test के माध्यम से आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश प्रशिक्षुओं में शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिरुचि है। लिंग के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया जबकि क्षेत्र के आधार पर शहरी क्षेत्र के प्रशिक्षुओं की अभिरुचि ग्रामीण प्रशिक्षुओं की तुलना में अधिक रही। यह अध्ययन शिक्षक प्रशिक्षण नीतियों को अधिक व्यावसायिक और समावेशी बनाने में सहायक हो सकता है।

मुख्य शब्द : शिक्षण व्यवसाय, अभिरुचि, प्रशिक्षु शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षण

प्रस्तावना

वर्तमान समय में शिक्षा न केवल एक ज्ञान हस्तांतरण की प्रक्रिया है, बल्कि यह सामाजिक, मानसिक, और नैतिक विकास का आधार भी बन चुकी है। इस परिवेश में शिक्षक की भूमिका केवल विषयवस्तु के संप्रेषक की नहीं, अपितु एक मार्गदर्शक, प्रेरक और मूल्यपरक व्यक्तित्व के निर्माता की होती है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि जो व्यक्ति शिक्षण व्यवसाय में प्रवेश करना चाहता है, उसमें उस व्यवसाय के प्रति गहन अभिरुचि हो।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल शैक्षणिक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है, बल्कि उसमें ऐसे मूल्यों और दृष्टिकोणों का विकास करना भी है जो शिक्षण को एक समर्पित व्यवसाय के रूप में देख सकें। यदि प्रशिक्षुओं में शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिरुचि विकसित होती है, तो वे अपने कार्यक्षेत्र में न केवल सफल होंगे बल्कि प्रभावशाली शिक्षक सिद्ध होंगे।

देश में चल रहे विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे– D.El.Ed, B.Ed. और ITEP (चार वर्षीय एकीकृत

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम) का प्रभाव विद्यार्थियों के शिक्षण व्यवसाय के प्रति रुझान पर कितना पड़ा है, यह जानना वर्तमान शैक्षिक शोध की आवश्यकता है।

यह अध्ययन विशेष रूप से इस तथ्य की पुष्टि करने हेतु किया गया है कि क्या वर्तमान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों में शिक्षण व्यवसाय को एक समर्पित करियर विकल्प के रूप में स्थापित कर पा रहे हैं या नहीं।

संबंधित साहित्य का अवलोकन

- सिंह (2020) द्वारा किया गया यह अध्ययन बी.एड. प्रशिक्षुओं की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि की स्थिति को समझने के उद्देश्य से किया गया था। शोध में उत्तर प्रदेश के विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों से कुल 200 प्रशिक्षुओं को चुना गया। सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत एक स्वनिर्मित अभिरुचि मापन उपकरण का प्रयोग किया गया। अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अधिकांश प्रशिक्षु शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिरुचि रखते हैं, किंतु महिला प्रशिक्षुओं की अभिरुचि पुरुषों की अपेक्षा अधिक पाई गई। अध्ययन ने यह भी दर्शाया कि जिन प्रशिक्षुओं ने स्वेच्छा से यह क्षेत्र चुना, उनमें अधिक प्रतिबद्धता और रुचि देखी गई। यह निष्कर्ष नीतिगत दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि लिंग के अनुसार प्रशिक्षण विधियों में सूक्ष्म अंतर लाया जा सकता है।
- जोशी (2018) ने राजस्थान के विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत प्रशिक्षु शिक्षकों की अभिरुचि को केंद्र में रखकर यह अध्ययन किया। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह जानना था कि विद्यार्थी किस मानसिकता और उद्देश्य से शिक्षण व्यवसाय में प्रवेश कर रहे हैं और प्रशिक्षण के दौरान उनके दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आता है। कुल 100 प्रशिक्षुओं पर प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण किया गया। निष्कर्षों से यह स्पष्ट हुआ कि आरंभ में अनेक विद्यार्थियों ने शिक्षण को मात्र एक विकल्प के रूप में चुना था, किंतु प्रशिक्षण के अनुभवों ने उनकी सोच को परिवर्तित किया और उनमें पेशे के प्रति गंभीरता और उत्साह की वृद्धि हुई। यह अध्ययन इंगित करता है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयं में अभिरुचि को प्रोत्साहित करने का कारक बन सकता है।
- शर्मा एवं कौर (2019) द्वारा किया गया यह अध्ययन हरियाणा राज्य में स्थित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षु शिक्षकों की अभिरुचि में प्रशिक्षण से पूर्व और प्रशिक्षण के पश्चात आने वाले परिवर्तनों का आकलन करने हेतु किया गया। शोध में कुल 150 प्रशिक्षु सम्मिलित थे और पूर्व–पश्चात परीक्षण (Pre-Post Test) पद्धति का प्रयोग किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यावहारिक शिक्षण अनुभव, पाठ योजना निर्माण और विद्यालय प्रशिक्षण के अवसरों ने प्रशिक्षुओं में अध्यापन कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और आत्मीयता का विकास किया। इस अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि व्यावसायिक अभिरुचि को आकार देने में अनुभवात्मक शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।
- मिश्रा (2021) द्वारा किया गया अध्ययन उत्तर भारत के विभिन्न बी.एड. महाविद्यालयों में अध्ययनरत 250 प्रशिक्षुओं पर केंद्रित था, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना था कि वर्तमान समय में युवा शिक्षण व्यवसाय में कितनी रुचि रखते हैं और इसके पीछे कौन से प्रेरक तत्व कार्य कर रहे हैं। शोध में अभिरुचि मापन स्केल का प्रयोग करते हुए डेटा संकलन किया गया। निष्कर्षों से यह सामने आया कि सामाजिक प्रतिष्ठा, स्थिर और सम्मानित करियर की संभावना, तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करने की भावना प्रमुख प्रेरक तत्व हैं। अध्ययन में यह भी दर्शाया गया कि जो विद्यार्थी स्वयं इस व्यवसाय के प्रति पहले से प्रेरित थे, वे प्रशिक्षण के दौरान और अधिक सक्रिय एवं प्रतिबद्ध सिद्ध हुए।

शोध का औचित्य

शिक्षण व्यवसाय को एक प्रतिष्ठित, मूल्यनिष्ठ और सेवापरक क्षेत्र माना जाता है, जिसकी सफलता मुख्यतः उन शिक्षकों पर निर्भर करती है जो इस व्यवसाय के प्रति समर्पित और उत्साही होते हैं। वर्तमान समय में जब शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक सुधारों की आवश्यकता महसूस की जा रही है, तब यह जानना अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्ययनरत छात्र–छात्राएं इस व्यवसाय को किस दृष्टि से देखते हैं और

उनके भीतर इस पेशे के प्रति कितनी रुचि विद्यमान है। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि शिक्षण को अब भी कुछ विद्यार्थी अंतिम विकल्प के रूप में चुनते हैं, जिससे उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धता और गुणवत्ता प्रभावित होती है।

चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम नई शिक्षा नीति 2020 के तहत एक सशक्त पहल है, जिसका उद्देश्य न केवल विषयवस्तु का गहन ज्ञान प्रदान करना है बल्कि छात्रों में पेशे के प्रति रुचि और दायित्व बोध भी विकसित करना है। ऐसे में यह अध्ययन यह मूल्यांकन करने हेतु अत्यंत उपयुक्त है कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत छात्र–शिक्षकों की इस व्यवसाय के प्रति अभिरुचि की वर्तमान स्थिति क्या है। इस प्रकार, यह शोध न केवल शैक्षिक योजना निर्माताओं के लिए उपयोगी होगा, बल्कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार और प्रशिक्षु शिक्षकों की व्यावसायिक चेतना को दिशा देने में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत पुरुष एवं महिला प्रशिक्षु शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में अंतर का अध्ययन करना।
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षु शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में अंतर का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

परिकल्पनाएँ :

1. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्ययनरत पुरुष एवं महिला प्रशिक्षु शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
2. शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षु शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

शोध विधि एवं प्रविधि

यह अध्ययन सर्वेक्षण विधि (नतअमल डमजीवक) पर आधारित है, जिसमें शोधकर्ता ने चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि का अध्ययन किया। शोध के अंतर्गत कुल 200 छात्र–शिक्षकों का चयन किया गया, जिसमें लिंग (100 पुरुष एवं 100 महिला) तथा क्षेत्र (100 ग्रामीण एवं 100 शहरी) के आधार पर समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। सभी प्रतिभागी राजस्थान राज्य के विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों से लिए गए। अध्ययन हेतु एक स्वनिर्मित उपकरण (मसि–उंकम ज्ववस) का प्रयोग किया गया, जो शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि को मापने वाले अनेक आयामों (जैसे– प्रेरणा, भावनात्मक जुड़ाव, पेशेवर दृष्टिकोण आदि) को सम्मिलित करता है। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय तकनीक ज–परीक्षण (ज–जमेज) के माध्यम से किया गया, जिससे लिंग एवं क्षेत्र के आधार पर अभिरुचि में संभावित अंतर को जाना जा सका। इस विधि ने शोध के उद्देश्यों की पूर्ति में सटीकता और विश्वसनीयता प्रदान की।

प्रदत्त विश्लेषण

तालिका 1

लिंग के आधार पर शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि का t-test विश्लेषण

लिंग	संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t- मूल्य	स्तर
पुरुष	100	65.40	7.25	1.78	असत्यापित ($p > 0.05$)
महिला	100	66.95	6.90		

व्याख्या

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि के औसत में थोड़ा अंतर है, किंतु t–मूल्य (1.78) महत्वपूर्ण नहीं है। अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि लिंग के आधार पर अभिरुचि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

तालिका - 2

क्षेत्र के आधार पर शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि का t-test विश्लेषण

क्षेत्र	संख्या (N)	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)	t- मूल्य	स्तर
शहरी क्षेत्र	100	68.10	6.50	2.54	सत्यापित ($p > 0.05$)
ग्रामीण क्षेत्र	100	64.25	7.10		

व्याख्या

तालिका 2 दर्शाती है कि शहरी प्रशिक्षुओं का औसत स्कोर ग्रामीण प्रशिक्षुओं की तुलना में अधिक है और t–मूल्य (2.54) महत्वपूर्ण स्तर पर सत्यापित हुआ है। इसका तात्पर्य है कि क्षेत्र के आधार पर शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया।

निष्कर्ष

- शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधिकांश प्रशिक्षु छात्रों में शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक अभिरुचि देखी गई।
- लिंग के आधार पर शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिरुचि में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।
- क्षेत्र के आधार पर, शहरी प्रशिक्षु शिक्षकों की अभिरुचि ग्रामीण प्रशिक्षुओं की तुलना में अधिक रही, और यह अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण था।

सुझाव

1. प्रशिक्षु शिक्षकों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रेरणात्मक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ सम्मिलित की जानी चाहिए, जिससे उनकी अभिरुचि और दृढ़ हो सके।
2. ग्रामीण क्षेत्र के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए विशेष परामर्श सत्र एवं मोटिवेशनल प्रोग्राम आयोजित किए जाएँ ताकि वे शिक्षण को एक सम्मानजनक और आत्मसंतोषजनक पेशे के रूप में देखें।
3. शिक्षण व्यवसाय की सामाजिक और आर्थिक मान्यता को बढ़ाने हेतु नीति–निर्माताओं को शिक्षक सेवा की शर्तों में सुधार करना चाहिए।
4. प्रशिक्षण संस्थानों में इंटर्नशिप, माइक्रो–टीचिंग, और अनुभवी शिक्षकों से संवाद जैसी गतिविधियाँ नियमित रूप से कराई जानी चाहिए ताकि छात्रों को वास्तविक शिक्षण अनुभव मिले।
5. पुरुष प्रशिक्षुओं में शिक्षण व्यवसाय के प्रति रुचि को बढ़ावा देने हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, ताकि लिंग–आधारित व्यावसायिक झुकाव को संतुलित किया जा सके।

संदर्भ

1. चौहान, एस. एस. (2020). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली: विकाश पब्लिकेशन.
2. वर्मा, आर. पी. (2022). "शिक्षण व्यवसाय के प्रति विद्यार्थियों की अभिरुचि का अध्ययन." भारतीय शिक्षक शिक्षा शोध पत्रिका, खंड 14, अंक 2, पृ. 45–52.

3. Sharma, A. & Mehta, P. (2021). "Attitude of Student-Teachers towards Teaching as a Profession." Journal of Educational Studies, Vol. 30(1), pp. 67–74.
4. NCERT (2018). National Curriculum Framework for Teacher Education. New Delhi: NCERT.
5. Kumar, D. (2023). Teacher Education in India: Issues and Concerns. Hyderabad: Orient Blackswan.